पूर्व राज्यपाल डॉ. भाई महावीर का भाषण

2 फरवरी 1999

नए जनादेश के बाद विधानसभा के इस पहले सत्र में आपका हार्दिक स्वागत है।

ग्यारहवी विधानसभा के लिए चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए इसके लिए मैं प्रदेश के मतदाताओं विभिन्न राजनीतिक दलों और प्रशासन के सभी स्तरों को बधाई देता हूं जिनकी जागरूकता और सक्रिय भागीदारी से लोकतंत्र का यह महायज्ञ गरिमामय ढंग से पूरा हुआ।

मेरी सरकार को मतदाताओं ने निरन्तर दूसरी बात सत्ता में आने का मौका दिया है, वह भी ऐसे समय में जब पूरे देश का राजनीति परि॰श्यसत्ता विरोधी मत का अवधारणा से संचालित था। यह तथ्य इस बात की तस्दीक करता है कि पिछले पांच सालों में मध्यप्रदेश सरकार ने धर्मनिरपेक्षता सत्ता का विकेन्द्रीकरण विकास के लिए मिशन प्रणाली, मौकों की बराबरी सामाजिक न्याय, महिला सशक्तीकरण, राजनीति-प्रशासनिक तंत्र की संवेदनशीलता और प्रशासन में पारदर्शिता एवं जनभागीदारी जैसे काम किए हैं उन्हें प्रदेशके जनमानस ने स्वीकार किया है। इसके साथ इननतीजों से यह भी साबित हुआ है कि जनमानस राजनीतिक पण्डितों के यांत्रिक फार्मूलों से निर्धारित नहीं होता बल्कि यह एक ऐसी

संवेदनशील प्रक्रिया है जिसमें सरकार और जनता के बीच बने रिश्ते निर्णायक होते हैं। चुनने वाले लोग हमेशा लोकहित के पैमाने पर हमें अंजमाते हैं वे यह देखते हैं कि उनकी रोजमर्रा की जिन्दगी में नीतियों से क्या फर्क पड़ रहा है। इसी पैमाने पर प्रदेश की जनता ने सरकार के पिछले पांच साल के कामों को परखा और उन कामों को आगे बढ़ाने का एक और मौका दिया।

मेरी सरकार ने चुनाव घोषणा पत्र में किए गए वादों में से पिछले पांच सालों में लगभग 90 प्रतिशत वादे पूरे किए थे। आने वाले पांच सालों में भी जनता की सेवा करने की यही गति कायम रहेगी और इस बार भी चुनाव घोषणा पत्र को और अधिक प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जायेगा।

मेरी सरकार का सिद्घांत वाक्य है राजनीति से लोकनीत इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए ऐसी अनुकूल परिस्थितियां निर्मित की जायेंगी जिससे हर आदमी का अपनी जिंदगी पर अधिक से अधिक नियंत्रण हो सके और हर व्यक्ति की योग्यताओं और संभावनाओ के पूरे अवसरमिलें।